हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 29 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 18 जुलाई, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

कांवड़ यात्रा के लिए तीर्थनगरी ऋषिकेश में इन स्थानों पर होगी पार्किंग, ऐसा होगा ट्रैफिक रूट 3

फेरी-ठेली वालों को जारी होंगे पहचान पत्र : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 जुलाई , उत्तराखंड में अब सभी जिलों को नया आदेश जारी किया गए है। सीएम धामी ने फेरी-ठेली वालों को जल्द पहचान पत्र प्रदान किये जाने के सख्त आदेश दिए हैं । मुख्यमंत्री के निर्देशों पर इस संबंध में शहरी विकास निदेशालय की ओर से राज्य के समस्त नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारियों को पत्र जारी कर फेरी एवं ठेली वालों का विवरण जुटाने व पहचान पत्र जारी कर इन्हें अनिवार्य रूप से ठेली/फड़ पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं।

समस्त नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों को जारी हुआ पत्र

शहरी विकास निदेशक नितिन सिंह भदौरिया की ओर से इस संबंध में समस्त नगर निकायों के नगर आयुक्त, अधिशासी अधिकारियों को पत्र जारी कर अपेक्षा की गई है कि वे अपने क्षेत्र में कार्यरत नगरीय फेरी व्यवसायियों की फेरी/ठेली में पहचान प्रदर्शित करने हेतु विवरण जुटाएं। पहचान पत्र में फेरी व्यवसायी का कोड, नाम, पता, फ़ोटो अंकित होने के साथ ही परिवार के किसी भी नाम निर्देशिता का नाम, श्रेणी(स्थिर या चल) के अतिरिक्त फेरी क्षेत्र जहां परिचय पत्र स्वामी को स्थिर या चल फेरी की अनुज्ञा के साथ ही अनुज्ञति कि विधिमान्यता का विवरण मांगा जाए। पत्र में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि नगर के समस्त फेरी व्यवसायियों को फेरी-ठेली वालों को पहचान पत्र जारी कर अनिवार्य रूप से इसे प्रदर्शित करना होगा।

शांति-सौहार्द बिगाड़ा तो खैर नहीं : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , उत्तराखंड में इन दिनों कभी केदारनाथ के दिल्ली के मंदिर को लेकर सवाल खडे किए जा रहें हैं तो कभी रामनगर से चारधाम यात्रा शुरू करने की अफवाहे उड़ाई जा रही हैं। ऐसे में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में जातिवाद और क्षेत्रवाद फैलाने वालों को कड़ी चुनौती दी है। सीएम ने साफ कहा इस तरीके के काम करने वाले शेर की खाल में छिपे भेड़ियों को हम सफल नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा की उत्तराखंड में हम चारधाम यात्रा को सुचारु रूप से लगातार चलाने की कोशिश कर रहें हैं। जब श्रद्धांलुओं की संख्या ज्यादा हुई तब मजबूरन हमें रजिस्ट्रेशन शुरू करना पड़ा। सीएम के अनुसार हमारी कोशिश थी की यात्रा में आने वाले एक भी श्रद्धालु को कोई नुकसान ना हो और वो यात्रा करने सुरक्षित वापस जाए ये ही हमारी कोशिश हैं।

सीएम के अनुसार कुछ ऐसे लोग हैं जो चारधाम के रजिस्ट्रेशन को लेकर सवाल खडे करते हैं और कभी यात्रा के मार्ग को लेकर झूठी बात फैलाते हैं कभी जातिवाद तो कभी क्षेत्रवाद के नाम पर सौहार्द को तोड़ने का काम करते हैं। लेकिन मै आज इस मंच से आपको कह देना चाहता हूँ की ऐसे जो शेर की खाल में छुपे हुए भेड़िये हैं। वो इस बात को समझ लें की उनका ये प्रयास कभी हमारे रहते हुए सफल नहीं होगा। हम सफल होने ही नहीं देंगे क्योंकि पूरे प्रदेश का समेकित विकास करना हमारा मकसद है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) से मुलाकात की है जहाँ उन्होंने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजभवन में राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट के दौरान अपनी सरकार के कामकाज और योजनाओं की कामयाबी की भी जानकारी महामहिम को दी।

सुरक्षित कांवड़ यात्रा की तैयारी 20 तक पूरा करें : डीएम दीक्षित

नई टिहरी। कांवड़ यात्रा को लेकर नगर पालिका सभागार मुनिकीरेती में बुधवार को डीएम मयूर दीक्षित ने बैठक ली। बैठक में आयोजित बैठक में बुधवार को डीएम मयूर दीक्षित ने सुरक्षित कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों को विगत अनुभवों के आधार पर कावड़ यात्रा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त करने को निर्देशित किया। बैठक के बाद डीएम ने कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण भी किया। बैठक में डीएम ने कावड़ यात्रा को लेकर विभागीय नोडल अधिकारी एसडीएम नरेंद्रनगर को रिपोर्ट करने को कहा। पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय कर कार्मिकों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। एसडीएम को सभी सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों की समय-समय पर मानिटरिंग करने को कहा गया। सभी जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक कर ब्रीफ करने को भी कहा। इसके साथ ही यात्रा के पीक पर होने पर स्कूली छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टिगत बीईओ को स्थिति के अनुसार कावड़ क्षेत्र में अवकाश घोषित करने को कहा गया। सिंचाई विभाग को घाटों पर कार्मिकों की तैनाती करने के साथ ही सुरक्षा चैन एवं साइनेज लगाने, ऊर्जा निगम को ईओ नगर पालिका के साथ संयुक्त निरीक्षण कर शार्ट सर्किट को लेकर चेकिंग करने, खाद्य विभाग को दुकानों व ढाबों में रेट लिस्ट चस्पा करने, पेयजल विभाग को पार्किंग स्थलों और शौचालयों आदि में पानी की उचित व्यवस्था करने, ईओ नगर पालिका मुनिकीरेती को दो पालियों में साफ सफाई करने तथा अतिरिक्त सफाई कार्मिक तैनात करने के साथ ही साउंड सिस्टम व्यवस्था व लाइटिंग व्यवस्थायें सुनेश्चित करने को कहा। बैठक में डीएफओ नरेन्द्रनगर जीवन डगाड़े, सीएमओ डा. मनु जैन, सीवीओ आशुतोष जोशी, एसडीएम देवेन्द्र सिंह नेगी, ईई सिंचाई कमल सिंह, ईओ नगर पालिका मुनिकीरेती तनवीर आदि मौजूद रहे।

भारी बारिश से निर्माणाधीन हेलंग मारवाडी बाईपास में चट्टान टूटी, लोडर दबा

चमोली। जोशीमठ नगर से 12 किमी पहले हेलंग अणीमठ से मारवाडी तक निर्माणाधीन 5 किमी लंबे बाईपास में मारवाड़ी के निकट पहाड़ी का एक बहुत बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गया। बुधवार सुबह 5 बजे जिस समय बड़े बड़े बोल्डर नीचे गिरे वहां पर एक लोडर खड़ा था। जो बोल्डरों के नीचे दब गया। सुबह 4 बजे से साढ़े पांच बजे तक हुई भारी बारिश के कारण मारवाड़ी के निकट बाईपास में एक बड़ी चट्टान टूटने से भारी मलबा पहाड़ी से नीचे आ गया। और वहां पर रात को खड़ा किया गया एक लोडर मलबे के नीचे दब गया है। मलबा आने के तुरंत बाद निर्माण कार्य में लगी ठेकेदार कंपनी ने अपनी अन्य सभी मशीनों को कार्य क्षेत्र से हटा दिया है। फिलहाल पूरे दिन यहां पर पहाड़ी से आये मलबे बोल्डर को हटाने का काम होता रहा। लेकिन अभी भी पहाड़ी से आयी चट्टान नहीं हट पाई है।

बदरीनाथ हाईवे पर बोलेरो पलटी, मची चीख-पुकार

चमोली । बदरीनाथ हाईवे पर आज फिर सड़क हादसा हुआ है। हाईवे पर बुधवार दोपहर को एक बोलेरो टैक्सी पलट गई। सड़क हादसे के वक्त टैक्सी यात्रियों से भरी हुई थी। टैक्सी के पलटते ही यात्रियों की मदद को चीख-पुकार निकली। टैक्सी पलटने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस कंट्रोल रूम को दी। पुलिस ने तुरंत ही मौके पर पहुंच राहत व बचाव कार्य शुरू किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मारवाड़ी के निकट बुधवार तकरीबन 12.15 बजे एक बोलेरो मोड पर ऊपर की सडक से नीचे की सडक पर गिरकर पलट गई। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को रेस्क्यू कर नजदीकि अस्पताल में भर्ती कराया। वाहन में 8 से 10 लोग सवार बताए जा रहे है। जिसमें से गंभीर घायल 3 लोगों को जोशीमठ अस्पताल भेजा गया है। बाकी सामान्य घायल है। वाहन जोशीमठ की तरफ आ रहा था।

इन राशियों की जोड़ियां होती हैं रोमांटिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , हम सभी अपनी जिंदगी में एक ऐसे पार्टनर की तलाश में रहते हैं जो साथी नहीं हमारा सारथी बने, हर दुख-सुख में साथ दे। अच्छे-बुरे समय पर सबसे पहले वो हमारे साथ खड़ा रहे, जिसके साथ होने से न विश्वास में कमी हो या न आत्म सम्मान कम हो, उसके साथ होने का एक अलग ही अभिमान हो। इन सबके साथ खूब प्यार करने वाले एक साथी की तलाश हर किसी को रहती है। एक अच्छे जीवनसाथी के मिलने जिंदगी खुशनुमा हो सकती है। ये ही कारण है कि लोग शादी से पहले कुंडली का मिलान करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुंडली के मिलान के अलावा कुछ राशियों का मिलान हो जाए तो जिंदगी और भी ज्यादा रोमांटिक हो सकती है।

12 राशियां अलग-अलग स्वभाव की होती है

मेष राशि और कुंभ राशि

मेष और कुंभ राशि की जोड़ी को सुपरहिट माना जाता है। दोनों का स्वभाव भले ही अलग-अलग होता है लेकिन जिंदगी की हर राह में दोनों का तालमेल बहुत अच्छा बैठता है। रोमांस के मामले में दोनों ही रोमांटिक होते हैं। ऐसे में उनकी लव लाइफ बहुत अच्छी रहती है।

वृषभ राशि और कन्या राशि

वृषभ और कन्या राशि दोनों की जोड़ी बहुत अच्छी मानी जाती है। एक दूसरे को बहुत प्यार करते हैं और मान-सम्मान देने में भी आगे होते हैं। परिवार के साथ कैसे खुशनुमा माहौल बनाकर रहना चाहिए, इन जोड़ियों को अच्छे से आता है। दोनों का स्वभाव एक दूसरे से काफी मिलता है।

तुला राशि और वृश्चिक राशि

तुला और वृश्चिक राशि दोनों ही सुपरहिट जोड़ियां कहलाती हैं। दोनों के बीच काफी रोमांस रहता है। हालांकि, दोनों का स्वभाव अलग-अलग है। एक गुस्से वाली राशि है तो एक शांत रहना पसंद करने वालों में से है।

धनु राशि और मेष राशि

धनु और मेष राशि दोनों सुपरहिट जोड़ियां होती हैं। ये शादीशुदा जिंदगी खुशी-खुशी बिताते हैं। एक दूसरे को बहुत प्यार करते हैं। इन जिंदगी बेहद रोमांटिक होती है। आपस में तालमेल बहुत अच्छा बनाते हैं।

मिथुन राशि और कुंभ राशि

मिथुन और कुंभ राशि की जोड़ी भी रोमांटिक मानी जाती हैं। दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी में हर जिम्मेदारी को बहुत अच्छे से निभाते हैं। प्यार-मोहब्बत से उन्हें बखूबी आता है। इन्हें एक अच्छा जीवनसाथी माना जाता है।

मीन राशि और कर्क राशि

मीन और कर्क राशि की जोड़ी भी बहुत अच्छी मानी जाती है। दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी खुशी-खुशी बिताते हैं। कितना भी उतार-चढ़ाव क्यों न हो दोनों एक दूसरे का साथ देना नहीं छोड़ते हैं। लव लाइफ की बात करें तो ये जोड़ी काफी रोमांटिक मानी जाती है।

ठहाके लगाइए डॉक्टर भगाइये, फायदे जानें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , हंसना सेहत के लिए जरूरी होता है। इससे न सिर्फ कई बीमारियां दूर होती है बल्कि मेंटल स्ट्रेस भी दूर रहता है। हाल ही में जापान के यामागाटा ने नागरिकों की सेहत को तवज्जों देते हुए एक कानून बनाया है। इस कानून के नागरिकों को दिन में एक बार खिलखिलाकर हंसना अनिवार्य किया गया है। जापान के यामागाटा पर्फेक्चर में प्रशासन ने लोगों की सेहत को ध्यान रखते हुए यह कानून बनाया है। यामागाटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक रिसर्च के बाद यहां के प्रशासन ने लोगों की सेहत के लिए यह कदम उठाया है।

बीमारियां होती है दूर यामागाटा यूनिवर्सिटी की रिसर्च में ये दावा कयिा गया है कहिंसने से न सिर्फ दिल की बीमारियों को टाला जा सकता है बल्कि मेंटल स्ट्रेस भी नहीं होता है। और इंसान की उम्र भी बढ़ती है। स्ट्रेस फ्री रखें हंसना हमारे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। हंसने से तनाव कम करने और मेंटल हेल्थ को बेहतर रखने में मदद मलिती है। हंसने से एंडोर्फिन हार्मोन का लेवल बढ़ता है, जो एक हैप्पी हार्मोन है। इससे तनाव कम होता है और इंसान अच्छा महसूस करता है।

व्यक्ति का मूड होता है अच्छा हसंने से सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है, जो खुशी औ प्यार की भावना को बढ़ाता है। सेरोटोनिन का स्तर बढ़ने से व्यक्ति का मूड बेहतर होता है। डिप्रेशन और एंजाइटी कम होती है हंसने से एडोर्फिन हार्मोन का उत्पादन होता है, जो स्ट्रेस, एंजाइटी और डिप्रेशन को दूर करता है। हंसने से हमारा मेंटल स्ट्रेस दूर रहता है। हार्ट से जुड़ी बीमारियां टाले हंसने से न सिर्फ आपका दिल में खुशी की लहरे उठती है, बल्कि हंसने से हार्ट बेहतर तरीके से काम करने लगता है। इससे हार्ट अटैक या दिल से जुड़ी अन्य बीमारियों का खतरा टालता है।

यदि आपको स्वस्थ रहना हैं और चाहते हैं कि आपको डॉक्टर के पास न जाना पड़े तो व्यायाम करने की बजाए जिंदगी में हंसी तलाशने की कोशिश करे, क्योंकि वह आपको स्वस्थ और तंदुरुस्त रख सकती है। एक नए अध्ययन से खुलासा हुआ है कि हंसने से आपके शरीर को उतना ही फायदा पहुंच सकता है जितना कि सुबह-सुबह दौड़ने पर होता है। शोध में शामिल हुए प्रतिभागियों को हर दिन 20 मिनट के लिए कॉमेडी कार्यक्रम देखने के साथ अपने दैनिक कार्यों करने के लिए कहा गया। इसके बाद इन प्रतिभागियों में तनाव हार्मोन, उच्च रक्त दाब और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में काफी कमी देखी गई। इसके साथ ही हंसने से उनकी भूख उतनी ही बढ़ गई जितनी कि व्यायाम करने के बाद बढ़ जाती है।

सावधान : ये कॉल नहीं खतरे की है घंटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , परिवार के सभी सदस्यों के फोन में Whatsapp मौजूद रहता है। सिर्फ मैसेज ही नहीं बल्कि Whatsapp पर वीडियो और वॉयस कॉलिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, लेकिन Whatsapp पर आने वाली ये कॉल आपके लिए खतरे की घंटी भी हो सकती है। खासकर तब जब यह WhatsApp Call +92 Code वाले किसी Unknown Number से आ रही हो।

भारत में जितनी तेजी से इंटरनेट का यूज़ बढ़ा है उसकी तुलना विश्व के किसी देश से नहीं की जा सकती है। पिछले 2-3 सालों में भारतीयों द्वारा चलाए जाने वाले इंटरनेट में कई गुणा वृद्धि हुई है। भारत सरकार भी डिजिटल इंडिया को बढ़ावा दे रही है। इंटरनेट की बदौलत आज WhatsApp जैसी इंस्टेंट मैसेंजिंग ऐप का यूज़ लगभग हर व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। परिवार के सभी सदस्यों के फोन में Whatsapp मौजूद रहता है। सिर्फ मैसेज ही नहीं बल्कि Whatsapp पर वीडियो और वॉयस कॉलिंग की सुविधा भी उपलब्ध है, लेकिन Whatsapp पर आने वाली ये कॉल आपके लिए खतरे की घंटी भी हो सकती है। खासकर तब जब यह WhatsApp Call +92 Code वाले किसी Unknown Number से आ रही हो।

+92 वाले नंबर से कॉल आने पर क्या करें ?

यदि आपके पास भी +92 कोड वाले किसी नंबर से कॉल आ रही है और वह नंबर आपके लिए अनजान है, तो उस नम्बर की प्रोफाइल पर किसी भी रैंक के पुलिस अधिकारी की फोटो लगी हो तब भी डरना नही है। सबसे पहले आपको उस कॉल को इग्नोर करना होगा। ऐसे नंबर से आ रही कॉल को बिल्कुल भी रिसीव न करें। चाहें तो पूरी रिंग बजने दें या फिर उसे कट कर दें, लेकिन रिसीव कतई न करें। कॉल पिक करने पर आपको डीप फेक टेक्निक के किसी भी जाल में फंसाया जा सकता है और शातिर साइबर ठग आपको डरा धमका के डिजिटल अरेस्ट भी कर सकते हैं।कुछ जिज्ञासु प्रवृति के लोग अपने फोन पर आई किसी Unknown Number की कॉल को देखकर उससे बात करना चाहते हैं, लेकिन यदि यह नंबर +92 कोड का है तो अपनी इस आदत को न दोहराएं। जिस नंबर से कॉल आई है, उस नंबर पर मैसेज करके 'who are you ?' न पूछें।

नंबर रिपोर्ट करें

Whatsapp की ओर से ब्लॉक के साथ ही रिपोर्ट का फीचर भी जारी किया गया है। +92 कोड वाले पाकिस्तानी नंबर को Whatsapp पर रिपोर्ट जरूर करें। रिपोर्ट करने से Whatsapp का पता चल जाएगा कि उस नंबर से कोई अमान्य हरकत की गई है और Whatsapp उस नंबर की जांच शुरू कर देगी। +92 पाकिस्तान का कंट्री कोड है यह तो पता चल गया है, लेकिन इसके अलावा कई अन्य इंटरनेशनल नंबर भी समय-समय पर भारतीयों के पास कॉल करके उन्हें स्कैम का शिकार बनाते रहते हैं। बीते दिनों में सामने आए केस और रिपोर्ट्स के आधार पर हमें किन कंट्री कोड वाले नंबरों से सावधान रहना चाहिए, यह डिटेल आगे दी गई है। गौरतलब है कि Zone 9 यानि कि 9 नंबर से शुरू होने वाले कोड अधिकतर साउथ एशियन देशों के होते हैं। ऐसे कई मुल्क हैं, जिनके नंबरों की शुरुआत +99 प्रीफिक्स से होती है।

कांवड़ यात्रा के लिए तीर्थनगरी ऋषिकेश में इन स्थानों पर होगी पार्किंग, ऐसा होगा ट्रैफिक रूट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 18 जुलाई : 22 जुलाई से शुरू हो रही नीलकंठ की कांवड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों को पार्किंग की दिक्कत नहीं झेलनी पड़ेगी. इस बार पुलिस ने आईडीपीएल में बनने वाली पार्किंग के अलावा श्यामपुर नटराज बायपास मार्ग पर खांड गांव में भी 150 वाहनों की अतिरिक्त पार्किंग की व्यवस्था की है. जहां बिजली पानी और शौचालय की व्यवस्था करने के लिए संबंधित विभागों को कहा गया है।

दरअसल, जनपद देहरादून के एसएसपी अजय सिंह कावड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को देखने के लिए ऋषिकेश पहुंचे. सबसे पहले उन्होंने पार्किंग की व्यवस्था को आईडीपीएल और खांड गांव का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद नगर निगम के स्वर्ण जयंती सभागार में एसएसपी ने लक्ष्मण झूला मुनिकीरेती थाना पुलिस के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए बैठक की. जिसमें शहर के जनप्रतिनिधियों को भी सुझाव लेने के लिए

बुलाया गया. व्यापार में सबसे पहले पैदल आने वाले कावड़ियों को शहर से होते हुए नीलकंठ भेजने की मांग की।

सड़कों का चौड़ीकरण बरकरार रहे, इसके लिए अतिक्रमण हटाने के लिए भी कहा. रायवाला और नेपाली फार्म के बीच राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क क्षेत्र में सत्यनारायण मंदिर के आसपास कांवड़ियों को नहीं रुकने देने की सलाह भी दी. वाद विवाद से बचने के लिए टेंपो चालकों को किराया सूची चस्पा करने के लिए भी बात कही. वहीं यात्रा कार्यालय में नोडल अधिकारी बैठाया जाएगा, जो हर तरीके से ट्रैफिक और अन्य व्यवस्थाओं पर नजर रखेंगे. रायवाला और नेपाली फार्म के बीच वन विभाग और पुलिस की क्विक रिस्पांस टीम एक्टिव रहेगी।

हरिद्वार की ओर से आने वाले कावड़ियों के वाहनों को आईडीपीएल पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा. जबकि सहारनपुर और देहरादून से आने वाले कावड़ियों के वाहनों को खांड गांव की पार्किंग में भेजा जाएगा. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस कर्मियों की तैनाती जगह-जगह की जाएगी.बैठक में मौजूद एसडीम कुमकुम जोशी ने बताया कि बिजली पानी शौचालय साफ सफाई की व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है।

इंजीनियर गिरीश खंडूरी ने लकड़ियों की जड़ों से बनाई कलाकृतियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी 18 जुलाई : वनों की अनुपयोगी बेकार पड़ी जड़ों, टहनियों, पौधों के अनुपयोगी तनों आदि को तराश कर एक आकर्षक रूप देने में माहिर इंजीनियर गिरीश खंडूरी ने पर्यटन नगरी में छोटी सी प्रदर्शनी लगाई ताकि आज का युवा उनसे प्रेरित होकर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढा सके।कुलडी स्थित एक रेस्टोरेंट के सभागार में अपने हाथों से बनाई गयी आकर्षक आकृतियों के बारे में इंजीनियर गिरीश खंडूरी ने बताया कि यह उनका पुराना शौक रहा है। जब भी वे कहीं जाते तो रास्ते में पड़ी पेड़ों की जड़ों तनों, टहनियों आदि को उठाकर ले जाते व घर पर उन्हें तराश कर आकर्षक आकृति बनाते। उन्होंने बताया कि मेरी मां आर्टिस्ट थी तब से इस क्षेत्र में कार्य किया भले ही वे इंजीनियर है लेकिन उनका लगाव वनों से रहा है।

उन्होंने ने बताया कि उन्होंने जंगली जानवरों, पक्षियों, महिलाओं, देवताओं की आकृति बनायी। इसके लिए जब भी कोई

बेकार पड़ी जंगल की वस्तु मिलती तो उसे गौर से देखते व जिस तरह लगता उसी की आकृति बनाते। उन्होंने बताया कि उन्होंने देश भर में इनकी प्रदर्शनी लगाई लेकिन अच्छी कीमत मिलने पर भी बेची नहीं। अभी तक उन्होंने तीन सौ से अधिक आकृति पिछले चालीस सालों में बनायी हैं। उन्होंने बताया कि उनका मकसद है कि उत्तराखंड का युवा इस विधा को सीखें व रोजगार से जुड़े। इसमें अच्छी आय हो सकती है। उन्होंने बताया कि उनके पास कई बड़े होटल वाले व दुकानदारों ने सभी बनाई गई वस्तुओं को खरीदना चाहा लेकिन उन्होंने कहा कि वह बेचते नहीं है।

वह इस कला को उत्तराखंड की युवा पीढी को सौपना चाहते है लेकिन इसका प्रयास भी किया गया पर्चे छपवाये लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने यह भी बताया कि रिटायरमेंट के बाद और अधिक आकृतियां बनाई हैं। अभी तक उन्हें 12 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके है और आगे भी प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जो आकृति जिससे मिलती थी उसी तरह बनायी जाती है, उसमें कोई परिवर्तन नहीं किया जाता केवल उसे साफ कर उस पर पालिश कर उसे संवारा जाता है। इस मौके पर अमित गुप्ता व कुलदीप रावत आदि मौजूद रहे।

ITBP में 143 पदों पर निकली भर्ती, ऐसे करे आवेदन

देहरादून 18 जुलाई : भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में शामिल होने की इच्छा रखने वाले सभी युवाओं के लिए खुशखबरी है। ITBP ने कांस्टेबल ग्रुप सी के 143 पदों के लिए भर्ती निकाली गई है। ग्रुप सी की भर्ती के लिए जल्द ही ऑनलाइन आवेदन भी शुरू कर दिए जाएंगे। भारत तिब्बत सीमा पुलिस ने ग्रुप सी के लिए भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।ITBP ने ग्रुप सी के लिए 143 अलग-अलग पदों पर भर्ती निकाली है। इनमें से नाई के 5 पदों पर भर्ती निकाली है, कांस्टेबल सफाई कर्मचारी के 111 पदों पर और माली के 37 पदों पर भर्ती का आयोजन किया गया है।

ITBP ₹ग्रुप सीर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 28 जुलाई से शुरू होंगे। भर्ती के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 28 जुलाई 2024 से अपना ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 26 अगस्त 2024 को है। ₹ग्रुप सीर की भर्ती के लिए महिला और पुरुष दोनों ही अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

ग्रुप सी की भर्ती के लिए इच्छुक अभ्यर्थी की शैक्षणिक योग्यता दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। इसके अलावा भर्ती से संबंधित विषय के बारे में अनुभव होना चाहिए।भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए सामान्य वर्ग और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लिए ₹आवेदन शुल्कर 100 रुपये निर्धारित की गई है। इनके अलावा SC, ST वर्ग बिना किसी शुल्क जमा किए भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं। भारत तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) की भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु सीमा कम से कम 18 वर्ष और अधिकतम आयु 23 वर्ष तक निर्धारित की गई है।

तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचेगी कांग्रेस फैक्ट फाइंडिंग कमेटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जुलाई : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा लोकसभा चुनाव परिणामों के लिए गठित फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्य 18, 19 एवं 20 जुलाई उत्तराखण्ड के कांग्रेस नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरा दत्त जोशी ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा लोकसभा चुनाव परिणामों के लिए गठित फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्य, पूर्व सांसद श्री पी.एल. पूनियां एवं सांसद रजनी पाटिल दिनांक 18 जुलाई 2024 को प्रातः 11:00 बजे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचेंगे जहां पर लोकसभा वार समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया है।

मथुरादत्त जोशी ने बताया कि 18 जुलाई को सर्वप्रथम 11:00 बजे से अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद, सांसद प्रत्याशी, विधायक, पूर्व विधायकों के साथ समीक्षा बैठक होगी जिसके उपरान्त संसदीय क्षेत्र के समस्त एआईसीसी, पीसीसी सदस्यों, जिला, ब्लाक व नगर कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई है। अपराह्न 15:30 बजे से नैनीताल संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद, सांसद प्रत्याशी, विधायक, पूर्व विधायकों के साथ समीक्षा बैठक होगी जिसके उपरांत संसदीय क्षेत्र के समस्त एआईसीसी, पीसीसी सदस्यों, जिला, ब्लाक व नगर कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक होगी।

दिनांक 19 जुलाई 2024 को प्रातः 10:00 बजे से गढ़वाल संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद, सांसद प्रत्याशी, विधायक, पूर्व विधायकों के साथ समीक्षा बैठक होगी जिसके उपरान्त संसदीय क्षेत्र के समस्त एआईसीसी, पीसीसी सदस्यों, जिला, ब्लाक व नगर कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक होगी इसके पश्चात 14:00 बजे से टिहरी संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद, सांसद प्रत्याशी, विधायक, पूर्व विधायकों के साथ समीक्षा बैठक होगी जिसके उपरांत संसदीय क्षेत्र के

समस्त एआईसीसी, पीसीसी सदस्यों, जिला, ब्लाक व नगर कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक तथा सायं 17:30 बजे से हरिद्वार संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद, सांसद प्रत्याशी, विधायक, पूर्व विधायकों के साथ समीक्षा बैठक होगी जिसके उपरांत संसदीय क्षेत्र के समस्त एआईसीसी, पीसीसी सदस्यों, जिला, ब्लाक व नगर कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे तथा सायं 15:00 बजे नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगें।

बैठक आयोजित की गई है।मथुरादत्त जोशी ने बताया कि फैक्ट फाइंडिंग कमेटी दिनांक 20 जुलाई को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भेंट वार्ता करने के उपरान्त 12:00 बजे से अनुषांगिक संगठन, विभाग व प्रकोष्ठ के अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे तथा सायं 15:00 बजे नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगें।

सोना ..... मंदिर .. शंकराचार्य ... अजेंद्र अजय और केदारनाथ धाम विवाद

■ 'विवाद खड़ा करना, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की आदत'
■ 'केदारनाथ की गरिमा को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , उत्तराखंड में स्थित केदारनाथ धाम को लेकर शंकराचार्य स्वामि अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दावा किया है कि यहां से 228 किलो सोना गायब हुआ है. ये एक बड़ा घोटाला है, जिस पर कोई बात नहीं कर रहा है. वहीं, अब शंकराचार्य को लेकर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि उन्हें इस बारे में सबूत पेश करना चाहिए. उन्होंने कहा कि विवाद खड़ा करना और सनसनी फैलाना स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की आदत है.

स्वामी शंकराचार्य ने हाल ही में मीडिया से बात करते हुए दावा किया केदारनाथ धाम में घोटाला हुआ है. केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब है. कोई पूछताछ शुरू नहीं हुई. केदारनाथ में सोने का घोटाला हुआ है, उस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया जाता? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अब वे कह रहे हैं कि वे दिल्ली में केदारनाथ बनाएंगे, ऐसा नहीं हो सकता. उनके इस दावे के बाद काफी ज्यादा विवाद खड़ा हो गया. मंदिर समिति के अध्यक्ष ने अब इस मुद्दे पर ही पलटवार किया है.

सोना गायब होने के संबंध में श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि केदारनाथ धाम में ऐसा होने की बात करना बेहद दुर्भाग्य की बात है. उन्होंने शंकराचार्य से गुजारिश की कि उन्हें सबूत पेश करने चाहिए. अजेंद्र अजय ने कहा, ₹मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वे दिनभर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं. विवाद खड़ा करना, सनसनी फैलाना और चर्चाओं में बने रहना स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की आदत है.₹

समाचार एजेंसी के मुताबिक, मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा, ₹केदारनाथ धाम में सोना गायब होने पर उनका बयान बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है. मैं उनसे अनुरोध करता हूं और चुनौती भी देता हूं कि वे तथ्य और साक्ष्य सामने लाएं. उन्हें अधिकारियों के पास जाना चाहिए, सबूत पेश करने चाहिए और जांच की मांग करनी चाहिए. अन्यथा उन्हें अनावश्यक विवाद खड़ा करने और केदारनाथ की गरिमा को ठेस पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं है.₹दरअसल, केदारनाथ धाम के दिल्ली ट्रस्ट के जरिए राजधानी में केदारनाथ धाम बनाने का विचार किया जा रहा है.

शंकराचार्य स्वामि अविमुक्तेश्वरानंद ने इसकी निंदा की और फिर केदारनाथ धाम से सोना गायब होने का दावा कर दिया. उन्होंने कहा, ₹प्रतीकात्मक केदारनाथ नहीं हो सकता है. शिवपुराण में 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख नाम और स्थान सहित किया गया है. जब केदारनाथ का पता हिमालय में है तो वह दिल्ली में कैसे हो सकता है? इसके पीछे राजनीतिक कारण हैं. राजनीतिक लोग हमारे धार्मिक स्थलों में प्रवेश कर रहे हैं.₹शंकराचार्य ने आगे दावा किया, ₹केदारनाथ में सोने का घोटाला हुआ है, उस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया जाता? वहां घोटाला करने के बाद अब दिल्ली में केदारनाथ बनेगा? फिर एक और घोटाला होगा. केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब है. कोई पूछताछ शुरू नहीं हुई है. इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अब कहा जा रहा है कि वे दिल्ली में केदारनाथ बनाएंगे, ऐसा नहीं हो सकता.

स्लीप टूरिज्म आपको तरोताज़ा कर देगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

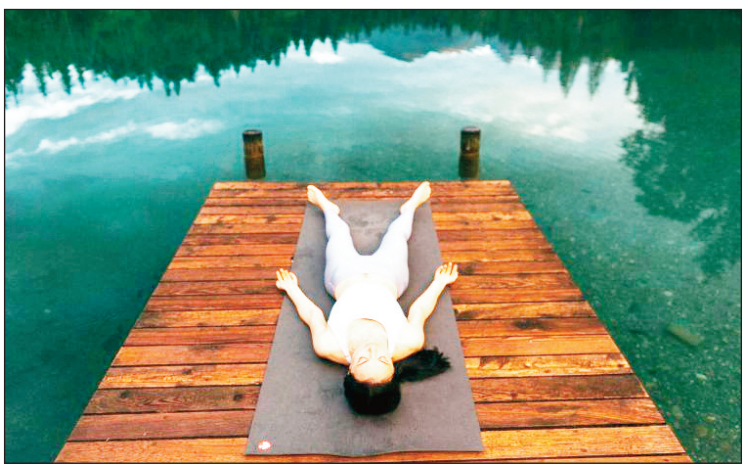

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , प्रतिस्पर्धा के इस दौर में इंसान ने खुद की जिंदगी को बुनियादी सुख-सुविधाओं से लैस तो जरूर कर लिया है. लेकिन इस भागदौड़ भरी जिंदगी में उसने जो खोया है वो है सुकून भरी नींद। दरअसल, खुद को कामयाबी तक ले जाने के लिए अपनी नींद के साथ समझौता करने वाले लोग स्वास्थ्य समस्याओं को झेल रहे हैं। इसके लिए अब उन्होंने अच्छी नींद के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इन्हीं प्रयासों में शामिल है स्लीप टूरिज्म, जिसे नैप हॉलिडे के नाम से भी जाना जाता है। सुबह-सुबह बॉस की चिकचिक और ऑफिस का राजनीति से परेशान हो चुके लोगों के बीच स्लीप टूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है।

स्लीप टूरिज्म क्या है और क्या फायदे है

रात को लेट सोना और दिनभर काम में फंसे रहने के चलते लोगों की नींद प्रभावित हो रही है। ऐसे में लोग स्लीप टूरिज्म का सहारा ले रहे हैं, जो एक प्रकार का टूर ही है। जिसमें व्यक्ति अपने कामकाजी दिनों से ब्रेक लेकर शांत वातावरण में सोने पर फोकस करता है। ये घर के अंदर नहीं बल्कि घर के बाहर शांत टूरिस्ट प्लेस पर ही होता है। वैसे तो स्लीप टूरिज्म विदेशों का ट्रेंड है, जो अब भारत में भी खासा पॉपुलर हो रहा है। इसके लिए वे अपने रिसोर्ट और होटलों को स्लीप टूरिज्म सेंटर के तौर पर स्थापित कर रहे हैं। क्योंकि आजकल लोग घूमने-फिरने से ज्यादा खुद को समय देने और अच्छी नींद के लिए टूर पर निकल रहे हैं। स्लीप टूरिज्म में लोग ज्यादातर अकेले ही जाना पसंद करते हैं। भारत में गोवा, लेह और हिमाचल जैसी जगहों पर स्लीप टूरिज्म की सुविधा मिल रही हैं।

जो लोग रातभर जागकर काम करते हैं या फिर पूरा दिन बिना आराम के सिर्फ काम करते हैं उनके लिए स्लीप टूरिज्म बहुत फायेदमंद है।

स्लीप टूरिज्म गड़बड़ नींद के चलते अनियंत्रित हुए ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है।अच्छी नींद लेने के बाद आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होता है।नींद न सिर्फ शारीरिक आराम प्रदान करती है बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करती है, जिस वजह से व्यक्ति के सोचने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है, क्रिएटिविटी बढ़ती है और साथ ही मन की उदासी खत्म होती है।स्लीप टूरिज्म नई संस्कृतियों और वातावरण का अनुभव प्रदान कर सकता है, जो दिमाग के लिए ताज़ा और प्रेरक हो सकता है।

प्रभु की सच्ची भक्ति में ही शक्ति है : कथा व्यास आदित्यानंद महाराज

■ भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव के जयकारों से गूंजा पंडाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जुलाई : साई कॉम्प्लेक्स ऋषिकेश रोड मे हो रही साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास आदित्या नंद महाराज ने श्रोताओं को कथा सुनाते हुए कहा कि प्रभु की सच्ची भक्ति में ही शक्ति है और साथ ही भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया ! कृष्ण जन्म के प्रसंग शुरू होते ही पंडाल में मौजूद श्रद्ध लु नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की,भजनों के साथ झूम उठे,वही श्रद्धालुओं द्वारा मक्खन मिश्री के प्रसाद का भोग लगाया गया ! कथा व्यास आदित्य आनंद महाराज ने कहां कि जीवन में जब भी श्रीमद् भागवत कथा सुनने का अवसर प्राप्त हो, कथा को जरूर सुनना चाहिए।

भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि जब जब धरती पर अधर्म बढ़ता है तब तक परमात्मा अवतार धारण करके धरती पर धर्म की स्थापना करते हैं! भगवान श्री कृष्ण जन्म की कथा से पूर्व भगवान राम के अवतार की लीला का वर्णन किया उन्होंने कहा कि भगवान राम ने आदर्श स्थापित किया है वह आज भी प्रासंगिक है राम जन्म,ताड़का वध,राम विवाह, वनवास, रावण वध सहित राम राज्याभिषेक पर सुंदर व्याख्यान दिया !

उन्होंने कहा कि द्वापर में जब कंस के अत्याचार बढ़े तो श्री कृष्ण भगवान ने अवतार लेकर मुक्ति दिलाई ! कथा सुनने वालों में समाजसेवी ईश्वर चंद अग्रवाल, ममता गोयल, मीनू शुक्ला,मंजू गोयल, ममता चौहान,नीरज गुप्ता,नीलम गोयल, चमेली देवी, राजेंद्र वर्मा, बिमला वर्मा, संजीरा,माही, प्रबल सिंह, मंजुला, रेखा गुप्ता, चमेली देवी आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे !

महिला को चढ़ा शॉपिंग का अजीबोगरीब नशा, जो दिखता है सब खरीद लेती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 जुलाई : कोई भी चीज पसंद होना अलग बात है और अगर वो समय के साथ आपका नशा बन जाए तो आपको बर्बाद कर सकती है. इसको लेकर बड़े- बुजुर्ग कहते भी है कि नशा किसी भी चीज़ का हो, अच्छा नहीं होता. हालांकि कई बार ये नशा सिर्फ नशा नहीं रहती बल्कि बीमारी बन जाती है. ऐसा ही एक मामला इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है. जिसे देखने के बाद आप भी हैरान रह जाएंगे और सोच में पड़ जाएंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है।

एक लड़की ने अपने ऐसे ही अजीबोगरीब नशे की कहानी को रेडिट पर शेयर किया है. उसने बताया कि उसने शॉपिंग करने का एक गंदा नशा लग चुका है. अपने पोस्ट में उसने बताया कि शॉपिंग करने की उसे इतनी बुरी लत है कि उसे कोई भी चीज दिखती है तो वह उसे तुरंत ही खरीद लेती है. इसका आलम ऐसा है कि मेरे पास पैसे नहीं भी होते तो मैं दूसरों से पैसे मांगकर अपने लिए चीजों को खरीद लेती हूं. यही कारण है कि मेरे पास घर में इतना सामान पड़ा है कि जिनकी मुझे कोई जरूरत भी नहीं है।

अपनी इस कहानी को शेयर करते हुए लिखा कि मुझे शॉपिंग का ऐसा है कि मुझे जहां भी कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, जूते जैसी चीजें दिखती है...मैं उसे तुरंत ही खरीद लेती हूं. मेरे घर में इन चीज़ों के ऐसे तमाम बॉक्स पड़े हैं, जिन्हें मंगाने के बाद उसने कभी खोला भी नहीं. अपनी इस आदत के कारण मुझे आर्थिक और मानसिक नुकसान भी हो रहा है, लेकिन बावजूद इसके मैं खुद को रोक नहीं पा रही हूं।

19 साल की लड़की ने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि मुझे अपनी इस आदत के कारण कई बार लोगों के बीच शर्मिंदा भी होना पड़ता है. अब लड़की का वीडियो इंटरनेट की दुनिया में तेजी से वायरल हो रहा है. जिसे पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दिए जा रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, इस आदत ने अच्छे-अच्छे अमीरों को बर्बाद किया है.' वहीं दूसरे ने लिखा, ' इस तरह से शॉपिंग कौन करता है भाई.' इसके अलावा और भी कई यूजर्स ने इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

जनरल साहब ने हमेशा खिलाड़ियों के उत्थान के लिये कार्य किया : ऋतु खण्डूडी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोटद्वार 18 जुलाई , राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर खिलाड़ियों के कोटद्वार पहुँचने के उपरांत विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने दल के सभी 15 बॉक्सर्स एवं उनके कोच का राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम कोटद्वार में सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने उत्तराखण्ड के गौरव अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार मेजर जनरल भुवन चंद्र खण्डूडी के इक्षानुसार अपनी सामाजिक संस्था "जय दुर्गा सामाजिक कल्याण संस्था" के माध्यम से एक आर.ओ वाटर कूलर स्टेडियम में आने वाले खिलाड़ियों को भेंट किया। उन्होंने ने अपने पिता के बातों को रखते हुए कहा कि जनरल साहब हमेशा ही युवाओं एवं खिलाड़ियों के उत्थान के लिये कार्य किया और वो आज भी उनकी चिंता करते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का 6– सीजन देहरादून में 14 जुलाई से 16 जुलाई तक आयोजित किया गया था। राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कोटद्वार से धर्मेंद्र थापा ने 44 से 46 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, अंशवीर ने 46 से 48 किलोग्राम में स्वर्ण पदक, अभिषेक ने 48 से 50 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, अयान खान ने 50 से 52 किलोग्राम भारत वर्ग में रजत पदक, आरोहण सिंह ने 52 से 54 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, मानसी नेगी ने 56 से 70 किलोग्राम भारत क में स्वर्ण पदक, सार्थक ने 80 से ऊपर भार वर्ग में रजत पदक, लक्की बगड़वाल ने 54 से 57 किलोग्राम पार्क वर्ग में कांस्य पदक, भूमि थापा ने 54 से 57 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक, प्रिय नेगी ने 57 से 60 किलोग्राम भारत वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए ।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का खेलों के प्रति खेलो इंडिया के माध्यम से देश का नाम आगे बढ़ने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया एक छोटे से शहर कोटद्वार से आज हम राज्य स्तर पर अपनी कीर्ति खेलों के माध्यम से स्थापित कर पा रहे हैं, ये इसी मुहिम का एक परिणाम है। आने वाले कल में यही बच्चे देश का नाम रोशन करेंगे। ऋतु खण्डूडी ने सभी खिलाड़ियों समेत उनके बॉक्सिंग कोच श्याम सिंह डांगी को उनकी मेहनत के लिए बधाई दी। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष पंकज भाटिया, विजय लखेड़ा, नीना बेंजवाल, रजनी बिष्ट, आशा, संगीता सुंदरियाल, आदि लोग उपस्थित रहे।

'सर्व सेफ फूड' बना रहा स्ट्रीट फ़ूड को सुरक्षित : एफडीए, उत्तराखण्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 जुलाई, उत्तराखंड में अपने प्रोजेक्ट 'सर्व सेफ फूड' की भौगोलिक उपस्थिति बढ़ाते हुए, नेस्ले इंडिया ने एफडीए, उत्तराखण्ड और नेशनल असोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (एनएएसवीआई) के साथ अपना गठबंधन जारी रखा है। इसके तहत देहरादून, चमौली, रुद्र प्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिलों में 1200 से ज्यादा स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रकार राज्य में प्रशिक्षित स्ट्रीट फूड वेंडर्स की कुल संख्या 3200 हो जाएगी और यह उत्तराखण्ड में नेस्ले इंडिया के प्रोजेक्ट 'सर्व सेफ फूड' का भौगोलिक विस्तार है। प्रोजेक्ट 'सर्व सेफ फूड' 2016 में शुरू हुआ था और अब तक 26 राज्यों तथा 4 संघशासित क्षेत्रों में 68,500 से ज्यादा स्ट्रीट फूड वेंडर्स को फायदा पहुँचा चुका है। प्रशिक्षण का एक विस्तृत कार्यक्रम तैयार करने के लिये कंपनी ने विभिन्न साझीदारों के साथ मिलकर काम किया है।

एफडीए, उत्तराखण्ड के अतिरिक्त आयुक्त ताजबर सिंह ने कहा, ''स्ट्रीट फूड वेंडर्स से समाज का एक बड़ा वर्ग खाने-पीने की चीजें लेता है। ऐसे में उनके लिये सुरक्षा तथा आरोग्य सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है। और प्रोजेक्ट 'सर्व सेफ फूड' इस मामले में सकारात्मक योगदान दे रहा है। मैं एफडीए, उत्तराखण्ड के साथ लगातार भागीदारी के लिये नेशनल असोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (एनएएसवीआई) और नेस्ले इंडिया को धन्यवाद देता हूँ। यह भागीदारी हमारे राज्य में खाने-पीने की चीजों के आरोग्य एवं सुरक्षा के मानकों को ऊँचा करने में सहायक है।''

नेस्ले इंडिया में कॉर्पोरेट अफेयर्स एण्ड सस्टेनेबिलिटी के डायरेक्टर संजय खजूरिया ने कहा, ''प्रोजेक्ट सर्व सेफ फूड हमारे अपने उत्पादों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा से आगे जाकर खाद्य सुरक्षा के वातावरण को बेहतर बनाने के लिये हमारी प्रतिबद्धता दिखाता है। यह प्रोजेक्ट स्ट्रीट फूड वेंडर्स को सशक्त करता है। इसमें साफ-सफाई एवं खाद्य सुरक्षा के तरीकों पर संबद्ध प्रशिक्षण के माध्यम से उनके कौशल को बढ़ाया जाता है। हमें विश्वास है कि हम अपने भागीदारों के साथ लगातार मिलकर काम करेंगे और समाज पर सकारात्मक असर डालेंगे।''

नेस्ले इंडिया ने 2016 में प्रोजेक्ट 'सर्व सेफ फूड' लॉन्च किया था और विभिन्न राज्यों में स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षित किया है। इन राज्यों में असम, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, अंडमान एवं निकोबार द्वीप, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, नागालैण्ड, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड शामिल हैं।

देहरादून : ग्राफ़िक एरा के मोहम्मद कैफ ने जीता नार्थ इंडिया का खिताब बना चैंपियन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जुलाई : देहरादून उत्तराखंड सर्वे चौक आई आर डी टी ऑडिटरियम मे आयोजित हुई नॉर्थ इंडिया प्रो लीग पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप जो की भारत की राज्य इसतर के बाद वेटलिफ्टिंग की सबसे बड़ी प्रोतियोगिता होती है जिनमे ढाई हज़ार से भी ज़्यादा बच्चो ने प्रतिभाग लिया जिनमे 8 से भी ज़्यादा राज्यों के बच्चों ने अपना दम दिखाया जिनमे हरियाणा,पंजाब,तमिल नाडू, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार के बच्चे जो अपने स्टेट के विजेता है उन्होंने अपने अपने केटेगरी मे बेहतरीन प्रदर्शन किया जिसमे 48KG से लेकर 130KG तक के पहलवानो ने बखूबी जज़्बा दिखाया जिनमे 83.5KG जूनियर मे ग्राफ़िक एरा के माइक्रोबायोलॉजी के छात्र मोहम्मद कैफ ने 215KG की स्क्वाट ओर 140KG की बेंचप्रेस ओर साथ ही 239 KG की डेडलिफ्ट लगाकर तीनो का 594KG का टोटल भार उठाकर तीनो मे गोल्ड हासिल किया ओर फाइनल राउंड मे मोहम्मद कैफ का मुक़ाबला हरियाणा के नकुल देव के साथ रहा जिसको उन्होंने 2kg की लीड से पछाड़ दिया फाइनल राउंड काफी टक्कर का था लेकिन मोहम्मद कैफ ने 2kg की लीड से उसको अपने नाम किया। और नार्थ इंडिया मे अपना मुकाबला बखूबी हासिल किया। अब वे आई०पी०एफ यानी इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग फेडरेशन के गेम मे दिखाई देंगे ओर उसमे वे उत्तर-प्रदेश की ओर से चैलेंजर बनकर ओपन मे खेलेंगे।

एलएलबी की प्रवेश परीक्षा CLAT 2025 की तारीख का ऐलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , CLAT का मतलब है कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट। यह भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक है। यह हर साल उन सभी लोगों के लिए आयोजित की जाती है जो लॉ ऑफिसर के रूप में अपना करियर उज्ज्वल बनाना चाहते हैं। कंसोर्टियम ऑफ़ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ (CNLU) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा।

यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए है, जो भारत के विभिन्न कॉलेजों द्वारा प्रस्तावित यूजी और पीजी लॉ पाठ्यक्रमों में आवेदन करना चाहते हैं। समय की अवधि (पेन और पेपर परीक्षा में 2 घंटे) पढ़ने की समझ और मौखिक तर्क के साथ, परीक्षण कानूनी योग्यता, तार्किक तर्क, मात्रात्मक क्षमताओं और सामान्य ज्ञान जैसे अन्य कानून से संबंधित कौशल का आकलन करता है।स्नातक (यूजी कार्यक्रमों के लिए) और कानून की डिग्री धारक या इसके समकक्ष (जैसा कि भारत में उपयुक्त उच्च शिक्षा प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्राप्त है) पीजी पाठ्यक्रमों के लिए। विशिष्ट पात्रता मानदंड भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक CLAT अधिसूचना को संदर्भित करने की सिफारिश की जाती है।

CLAT 2025 के लिए महत्वपूर्ण तिथियां

परीक्षा तिथिः 1 दिसंबर, 2024

अतिरिक्त संसाधनः

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ की वेबसाइट पर अद्यतन जानकारी प्राप्त करें।

CLAT का पूर्ण रूप

CLAT का पूरा नाम कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट है। यह भारत में 22 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (NLU) द्वारा पेश किए जाने वाले स्नातक (UG) और स्नातकोत्तर (PG) कानून कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है।

CLAT 2025 के लिए आवेदन कैसे करें

CLAT परीक्षा भारत के प्रतिष्ठित लॉ स्कूलों में प्रवेश पाने का आपका प्रवेश द्वार है। CLAT 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया को इस प्रकार नेविगेट करें:

CLAT परीक्षा भारत के प्रतिष्ठित लॉ स्कूलों में प्रवेश पाने का आपका प्रवेश द्वार है। CLAT 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया को इस प्रकार नेविगेट करें:

2. पात्रता मानदंड

10+2 उत्तीर्ण

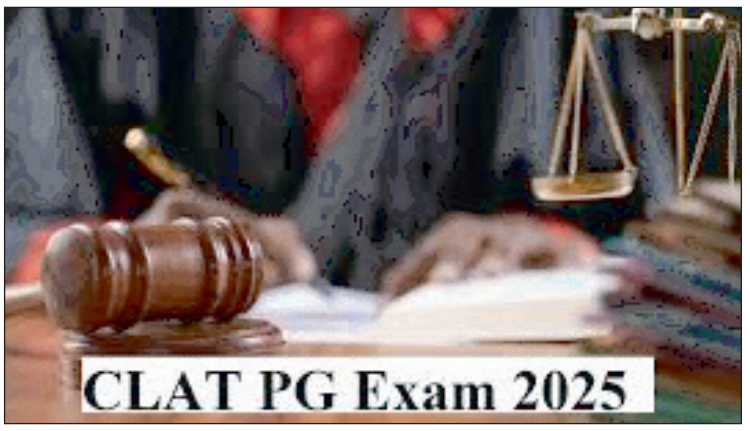

(सामान्य/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई के लिए 45%, एससी/एसटी के लिए 40%), कोई आयु सीमा नहीं, केवल भारतीय नागरिक/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई (विदेशी नागरिकों के लिए सीएलएटी आवश्यक नहीं)।

3. अपने दस्तावेज़ तैयार रखें:

4. ऑनलाइन आवेदन करें (मध्य जुलाई से मध्य अक्टूबर तक):

आधिकारिक CLAT वेबसाइट पर जाएं।

रजिस्टर करें और खाता बनाएं.

5. फॉर्म को ध्यानपूर्वक भरें:

अपनी शिक्षा, व्यक्तिगत जानकारी और पसंदीदा परीक्षा केंद्र के बारे में सटीक विवरण प्रदान करें।

6. शुल्क का भुगतान ऑनलाइन करें:

शुल्क आपकी श्रेणी पर निर्भर करता है (विवरण के लिए आधिकारिक वेबसाइट देखें)।

7. सबमिट करें और सेव करें:

सब कुछ दोबारा जांच लें, शुल्क का भुगतान करें और आवेदन इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा कर दें।

अपने रिकार्ड के लिए एक प्रतिलिपि सुरक्षित रखें।

याद करना:

समय सीमा का पालन करें! देर से प्राप्त आवेदन अस्वीकार किए जा सकते हैं।

अपने आवेदन और शुल्क भुगतान रसीद की प्रतियां रखें।

आधिकारिक CLAT वेबसाइट पर अपडेट रहें।

इन सरल चरणों का पालन करके, आप CLAT 2025 के लिए आवेदन करने और अपने कानूनी सपने को पूरा करने की राह पर होंगे!

CLAT 2025 आवेदन पत्र

CLAT 2025 का आधिकारिक आवेदन फॉर्म CNLU की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। हालाँकि, कंसोर्टियम ऑफ़ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ (CNLU) ने 7 जुलाई, 2024 के आसपास अधिसूचना जारी की, जिसमें आवेदन पत्र तक पहुँचने और उसे पूरा करने के विवरण शामिल हैं। यहाँ बताया गया है कि आप क्या उम्मीद कर सकते हैं:

फॉर्म उपलब्धताः 15 जुलाई 2024 (पंजीकरण विंडो के आधार पर)

कहां प्राप्त करें: आवेदन पत्र आधिकारिक CLAT वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

CLAT 2025 फॉर्म कैसे भरें? यहाँ एक त्वरित गाइड दी गई है:

CLAT की वेबसाइट CNLU पर जाएं और अपने मोबाइल नंबर और ईमेल के साथ पंजीकरण करें।

आवेदन पत्र भरें: इसमें आपसे आपकी व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यता, श्रेणी (यदि लागू हो) और पसंदीदा परीक्षा केंद्र के बारे में पूछा जाएगा, तथा आपकी फोटो, हस्ताक्षर और अन्य दस्तावेजों की स्कैन की गई प्रतियां मांगी जाएंगी।शुल्क का भुगतान करें: अपनी भुगतान विधि (कार्ड, नेट बैंकिंग आदि) चुनें और भुगतान पूरा करें।समीक्षा करें और सबमिट करें: सब कुछ दोबारा जांच लें, फिर फॉर्म सबमिट करें और अपने रिकॉर्ड के लिए एक पुष्टिकरण पृष्ठ प्रिंट करें।

CLAT 2025 आवेदन सुधार

CLAT 2025 आवेदन सुधारः अभी पुष्टि नहीं हुई है

प्रतीक्षा करें और देखें:

CLAT की आधिकारिक अधिसूचना 7 जुलाई को आ गई है । आवेदन सुधार (यदि कोई हो) के विवरण के लिए आधिकारिक वेबसाइट (कंसोर्टियम ऑफ एनएलयू) देखें।सावधानीपूर्वक आवेदन करें: प्रतीक्षा करते समय, अपने दस्तावेज एकत्र कर लें और आवेदन करने से पहले सब कुछ दोबारा जांच लें, ताकि बाद में सुधार की आवश्यकता न पड़े।सहायता के लिए संपर्क करें (वैकल्पिक): यदि अधिसूचना जारी होने के बाद आप किसी बात को लेकर अनिश्चित हैं, तो CLAT वेबसाइट पर संपर्क विवरण या हेल्पडेस्क अनुभाग हो सकता है।

CLAT 2025 पंजीकरण शुल्क

CLAT 2025 पंजीकरण शुल्क पिछले वर्षों की तरह ही होने की उम्मीद है। यहाँ इसका विवरण दिया गया है:

सामान्य श्रेणी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआईः ₹4,000एससी/एसटी/बीपीएलः ₹3,500

महत्वपूर्ण लेखः

इन शुल्कों की आधिकारिक पुष्टि 7 जुलाई, 2024 को कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ (CNLU) द्वारा जारी CLAT 2025 अधिसूचना में उपलब्ध होगी।पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र प्राप्त करने जैसी वैकल्पिक सेवाओं के लिए अतिरिक्त शुल्क लग सकता है।याद रखने योग्य कुछ अतिरिक्त बिंदु यहां दिए गए हैं:

पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान आपको डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग या मोबाइल वॉलेट का उपयोग करके आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन करना होगा।आवेदन करने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके पास पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है।आधिकारिक अधिसूचना पर नजर रखकर, आपको CLAT 2025 पंजीकरण शुल्क के बारे में नवीनतम जानकारी मिल जाएगी।

CLAT 2025 पात्रता मानदंड

यहां CLAT 2025 पात्रता मानदंड का सरलीकृत विवरण दिया गया है:

शिक्षाः किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

न्यूनतम अंकः

सामान्य/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआईः 10+2 में 45% ।एससी/एसटीः 10+2 में 40%.10+2 के लिए उपस्थित होनाः यदि आप परीक्षा वर्ष में कक्षा 12 की परीक्षा दे रहे हैं तो आवेदन कर सकते हैं।कोई आयु सीमा नहींः सभी आयु वर्ग के लिए खुला।

राष्ट्रीयताः भारतीय नागरिक, एनआरआई, पीआईओ और ओसीआई आवेदन कर सकते हैं। (विदेशी नागरिकों को CLAT लेने की आवश्यकता नहीं है)

याद रखने वाली चीज़ें:

कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज़ (CNLU) की आधिकारिक CLAT 2025 अधिसूचना में पात्रता मानदंड के बारे में सबसे अद्यतन जानकारी है।CLAT के लिए अर्हता प्राप्त करने के बाद आप जिन विश्वविद्यालयों में आवेदन कर रहे हैं, उनके आधार पर विशिष्ट पात्रता आवश्यकताएँ भिन्न हो सकती हैं। विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक CLAT अधिसूचना और अलग-अलग विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखना महत्वपूर्ण है।

CLAT 2024 परीक्षा पैटर्नहालांकि CLAT 2024 के लिए आधिकारिक विवरण अब उपलब्ध नहीं होंगे क्योंकि परीक्षा पहले ही हो चुकी है, यहां पिछले रुझानों के आधार पर सामान्य प्रारूप और वेटेज का विवरण दिया गया है जिसकी आप अपेक्षा कर सकते हैं:

CLAT 2024 परीक्षा प्रारूपः

कलम-और-कागज़ आधारितः परीक्षा ऑफ़लाइन आयोजित की जाती है, जिसमें उत्तर पुस्तिकाएं हाथ से भरी जाती हैं।दो घंटे की अवधिः कुल परीक्षा अवधि आमतौर पर 2 घंटे की होती है।बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू): परीक्षा में मुख्य रूप से चार उत्तर विकल्पों वाले एमसीक्यू होते हैं।CLAT 2024 परीक्षा पैटर्न (अनुभाग):

परीक्षा पांच खंडों में विभाजित है:

अंग्रेजी भाषा (40 अंक): पढ़ने की समझ, व्याकरण, शब्दावली और उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।कानूनी तर्क (40 अंक): कानूनी सिद्धांतों की आपकी समझ, कानूनी संदर्भ में तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमताओं का परीक्षण करता है।तार्किक तर्क (40 अंक): आपकी आलोचनात्मक सोच, तर्क कौशल और पैटर्न की पहचान करने और समस्याओं को हल करने की क्षमता का आकलन करता है।मात्रात्मक तकनीक (40 अंक): इसमें बुनियादी गणितीय अवधारणाएं, डेटा व्याख्या और संख्याओं का उपयोग करके विश्लेषणात्मक तर्क शामिल हैं।सामान्य ज्ञान सहित समसामयिक मामले (40 अंक): इसमें वर्तमान घटनाओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों और सामान्य ज्ञान के बारे में आपके ज्ञान का परीक्षण किया जाता है।CLAT 2024 अंकन योजना (अनुमानित):प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक मिलेगा।गलत उत्तरों के लिए नकारात्मक अंकन हो सकता है (आमतौर पर प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.25 अंक काटे जाते हैं)।CLAT 2024 सेक्शनल वेटेज (अनुमानित - पुष्टि नहीं):यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक अनुभाग के लिए आधिकारिक वेटेज सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं हो सकता है। हालांकि, पिछले रुझानों के आधार पर, सभी अनुभागों के लिए वेटेज कमोबेश बराबर होने की संभावना है, जिसमें अंग्रेजी भाषा और कानूनी तर्क अनुभागों पर थोड़ा जोर दिया जा सकता है।

नैनीताल बैंक और पायनियर स्कूल ने हरेला को समर्पित किये 51 पौधे

देहरादून 18 जुलाई : हरेला पर्व के अवसर पर नैनीताल बैंक क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून द्वारा जिम्प पायनियर स्कूल देहरादून में 51 पौधे रोपे गए, जिसमें कई छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण में भाग लिया तथा क्षेत्रीय प्रबंधक ने भी पौधारोपण किया।सनी मेहरा ने पेड़ लगाने के लाभों के बारे में जानकारी दी और उत्तराखंड के सभी लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं प्रधानाचार्य डॉ. जगदीश पांडे सहित शिक्षकगण, नैनीताल बैंक के शाखा प्रमुख उपस्थित थे शशांक नौटियाल, अखिलेश नौटियाल, गुलशन रावत, मोहित जायसवाल, गौरव गुसाई, शिव शंकर।

कौन करता है शव के टुकड़े-टुकड़े? खौफनाक सच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , सभी धर्मों के अपने-अपने रीति रिवाज होते हैं. इंसान के जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी धर्मों और जाति के लोग अपनी प्रथाओं और रीति-रिवाज के मुताबिक सभी संस्कार करते हैं. हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद शवों को जलाकर दाह संस्कार किया जाता है. वहीं मुस्लिम धर्म में शवों को दफनाया जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि तिब्बती लोग कैसे दाह संस्कार करते हैं और उनका इनका दाह संस्कार इतना अलग क्यों होता है कि कई देशों में इस पर बैन लगा हुआ है. आज हम आपको तिब्बती लोगों के दाह संस्कार के बारे में आपको बताएंगे.

तिब्बती लोग कैसे करते हैं दाह संस्कार

दुनियाभर में हिंदुओं धर्म में शव को जलाकर दाह संस्कार किया जाता है. इस्लाम धर्म मानने वाले शव को दफनाते हैं. इसके अलावा ईसाई धर्म में भी शव को दफनाया जाता है, लेकिन ताबूत के अंदर रखकर दफनाया जाता है. जैन मुनियों के अंतिम संस्कार में लोग हर चरण में बोलियां लगाते हैं और उससे जुटने वाली रकम का इस्तेमाल लोगों की भलाई में किया जाता है. लेकिन तिब्बत में बौद्ध धर्म के अनुयायियों में अंतिम संस्कार का तरीका एकदम अलग है.

बौद्ध धर्म के संतों का अंतिम संस्कार

बौद्ध धर्म में आज भी संतों और साधुओं के साथ ही आम लोगों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया काफी अलग है. यहां पर मृत्यु के बाद शव को दफनाया नहीं जाता है और ना ही जलाया जाता है. बता दें कि बौद्ध धर्म में व्यक्ति की मृत्यु के बाद शव को काफी ऊंची जगह पर लेकर जाते हैं. बौद्ध धर्म के लोगों का कहना है कि उनके यहां अंतिम संस्कार की प्रक्रिया आकाश में पूरी की जाती है. इसीलिए शव को बहुत ऊंची चोटी पर लेकर जाते हैं. तिब्बत में बौद्ध धर्म के अनुयायियों के अंतिम संस्कार के लिए पहले से ही जगह मौजूद होती हैं. शव के पहुंचने से पहले ही बौद्ध भिक्षु या लामा अंतिम संस्कार की जगह पर पहुंच जाते हैं. इसके बाद शव की स्थानीय परंपरा के मुताबिक पूजा की जाती है. फिर एक विशेष कर्मचारी शव के छोटे-छोटे टुकड़े करता है. इस विशेष कर्मचारी को बौद्ध धर्म के अनुयायी रोग्यापस कहते हैं.

बता दें कि शव के छोटे-छोटे टुकड़े करने के बाद रोग्यापस जौ के आटे का घोल तैयार करता है. इसके बाद टुकड़ों को इस घोल में

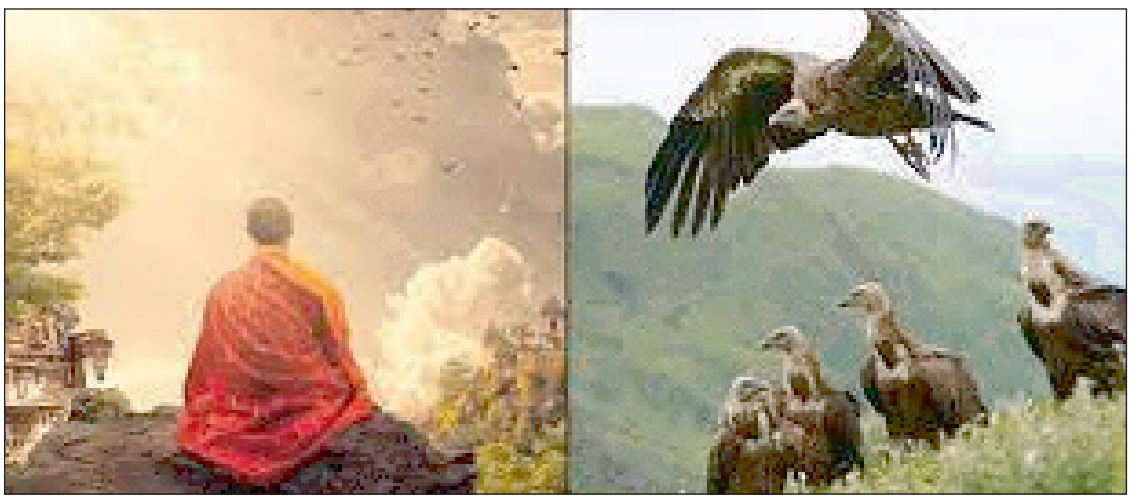

डुबोया जाता है. फिर इन जौ के आटे के घोल में लिपटे शव के टुकड़ों को तिब्बत के पहाड़ों की चोटियों पर पाए जाने वाले गिद्धों-चीलों का भोजन बनने के लिए डाल दिया जाता है. जब गिद्ध और चीलें उनके टुकड़ों में से मांस को खा लेते हैं,इसके बाद बची हुए अस्थियों को पीसकर चूरा बनाया जाता है. इस चूरे को फिर से जौ के आटे में घोलकर डुबोया जाता है और पक्षियों का भोजन बनने के लिए छोड़ दिया जाता है.

अमेरिका में क्यों बैन

अब सवाल ये है कि अमेरिका में तिब्बती लोगों का दाह संस्कार क्यों बैन है. बता दें कि तिब्बत में पिछले 1100 सालों से ज्यादा वक्त से स्काई बरियल की परंपरा चलती आ रही है. हिंदू धर्म की तरह बौद्ध धर्म के अनुयायी भी पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं. लेकिन दुनियाभर में स्काई बरियल को एक वर्ग बहुत क्रूर मानता है. यहां तक कि अमेरिका जैसे कई देशों में अंतिम संस्कार के इस तरीके पर बैन है. रिपोर्ट के मुताबिक अगर अमेरिका में किसी तिब्बती बौद्ध की मौत होती है. इसके बाद उनके परिजन स्काई बरियल तरीके से दाह संस्कार करना चाहते हैं, तो परमिट लेकर शव को तिब्बत लेकर जाते हैं. हालांकि तिब्बती लोगों के अंतिम संस्कार का तरीका काफी हद तक पारसी लोगों से मिलता है, जो शव को 'टावर ऑफ साइलेंस' में छोड़ देते हैं. हालांकि पारसी शव के टुकड़े नहीं करते हैं.

संपादकीय

आतंकवाद का नया कश्मीर

अब डोडा जिले की बारी है। राजौरी-पुंछ, कठुआ और डोडा सभी जम्मू संभाग के हिस्से हैं। बीते तीन सप्ताह के दौरान तीन आतंकी हमले हो चुके हैं। डोडा आतंकी मुठभेड़ में कैप्टन समेत चार सैनिक 'शहीद' हुए हैं। इससे पहले कठुआ में 'पुलवामा का सारांश' सरीखा हमला किया गया था, जिसमें 5 जवान शहीद हुए थे। बीते दो साल में 1 कर्नल, 3 कैप्टन, 5 मेजर समेत 10 अफसर कुर्बान करने पड़े हैं। हालांकि 2005 से 2021 तक जम्मू संभाग बिल्कुल शांत रहा। यह सेना प्रमुख से लेकर सत्ताधारी लोगों का मानना और दावा भी है, लेकिन अब जम्मू 'आतंकवाद का नया कश्मीर' बनता जा रहा है। पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं उत्तरी कमान के प्रमुख जनरल रहे दीपेन्द्र सिंह हुड्डा का मानना है कि जम्मू संभाग के इस इलाके में मैदान कम और जंगल ज्यादा, घने हैं। डोडा में जहां आतंकी हमला हुआ, वहां पहाड़ के एक तरफ 200 वर्ग किमी का जंगल है, जबकि हमारा तलाशी अभियान सिर्फ 50 वर्ग किमी में ही चलता रहा है। कश्मीर में जंगल कम और बर्फ के पहाड़ ज्यादा हैं, लिहाजा आतंकियों पर दूर से भी नजर रखी जा सकती है। जम्मू के लिए हमें नई, आक्रामक रणनीति बनानी चाहिए। कश्मीर घाटी में इतने सुरक्षा बल आज भी हैं कि आतंकी हरकत करने के घंटे-दो घंटे में आतंकियों को ढेर किया जा सकता है। जम्मू में सुरक्षा बल अपेक्षाकृत कम हैं। आतंकी उसी का फायदा उठाकर भाग जाते हैं। जंगल इतने घने हैं कि हेलीकॉप्टर या ड्रोन से आतंकियों के सुराग नहीं लगाए जा सकते। बहरहाल यदि रणनीति बदलनी है, तो वह कब तक बदली जाएगी? अथवा हम शहादतों के आंकड़े गिनते रहेंगे? बेशक हमारे सुरक्षा बलों ने 2023 में 87 आतंकी और 3 जुलाई, 2024 तक 21 आतंकियों को ढेर किया है, लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है? आतंकी तो मरने के लिए या जेहाद की खातिर सीमा पार करके हमारे जम्मू-कश्मीर में घुसते हैं। उनके साथ मुठभेड़ में या आतंकी हमले में भारत के जो सैनिक 'शहीद' होते हैं, क्या उनका मूल्यांकन किया जा सकता है? क्या उनकी भरपाई की जा सकती है? एक लंबी, थकाऊ ट्रेनिंग और लाखों रुपए खर्च करके औसतन एक सैनिक तैयार किया जाता है। आखिर शहादत का यह सिलसिला कब तक चलेगा? क्या हमारे सैन्य ऑपरेशन आतंकियों और 'कश्मीर टाइगर्स' सरीखे आतंकी गुट को नेस्तनाबूद करने के मद्देनजर संचालित नहीं किए जा सकते? कठुआ वाला हमला भी इसी आतंकी गुट ने किया था। वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'जैश-ए-मुहम्मद' का जम्मू-कश्मीर में एक फर्जी, नकली नाम है। 'कश्मीर टाइगर्स' के आतंकी पाकिस्तान में भर्ती होते हैं, वहीं ट्रेरनिंग लेते हैं और 'दिवालिया' पाकिस्तान ही उन्हें पैसा देता है। सवाल है कि ऐसे संगठन को जम्मू-कश्मीर की सरजमीं पर ही चित्त क्यों नहीं किया जा सकता? इन आतंकियों के जो मददगार 'स्थानीय जयचंद' हैं, उन्हें भी ढेर क्यों नहीं किया जा सकता? क्या भारत सरकार ने सैनिकों के हाथ बांध रखे हैं? 2021 से अब तक सेना और पुलिस के 52 जवान आतंकी हमलों में जान गंवा चुके हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

रूस में MBBS मतलब बेस्ट कॉलेज फीस बेहद कम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 जुलाई , हर साल हजारों की संख्या भारतीय छात्र रूस में पढ़ाई करने के लिए जाते हैं. एमबीबीएस के लिए भारतीय छात्रों की पहली पसंद रूस है. ज्यादातर भारतीय छात्र रूस में मेडिकल की पढ़ाई करने जाते हैं. पीएम मोदी इस समय रूस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं. हर साल भारत से हजारों की संख्या में छात्र पढ़ाई के लिए रूस जाते हैं. इनमें से ज्यादातर स्टूडेंट्स मेडिकल यानी की एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए रूस जाते हैं. आइए जानते हैं कि भारतीय छात्र रूस में मेडिकल की पढ़ाई करने क्यों जाते हैं.

एडमिशन कैसे मिलता है और फीस कितनी है

भारत में एमबीबीएस करने के लिए नीट यूजी परीक्षा पास करना अनिवार्य होता है. एग्जाम में मिले नंबरों के आधार पर सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को काउंसलिंग के जरिए सीट मिलती है. काउंसलिंग का आयोजन राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की ओर से किया जाता

है. मौजूदा समय में 15 हजार से अधिक छात्र रूस में पढ़ाई कर रहे हैं और इनमें से अधिकतर छात्र मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं.

रूस में कैसे होता है MBBS एडमिशन ?

भारतीय छात्रों को रूस के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में एडमिशन लेने के लिए नीट यूजी परीक्षा पास करनी होती है. वहीं फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी विषय के साथ 12वीं में कम से कम 50 फीसदी नंबर होने चाहिए. एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स रूस के मेडिकल कॉलेजों स्कॉव स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी, टीवीईआर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी, कजान स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी,साइबेरियन स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी सहित कई अन्य मेडिकल विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। यहाँ भारतीय छात्र एडमिशन लें सकते हैं. अधिक जानकारी के लिए इन संस्थानों की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं.

कितनी है रूस में MBBS की फीस?

भारत में सरकारी मेडिकल कॉलेजों को छोड़ दिया जाएगा, तो एमबीबीएस पढ़ाई बहुत महंगी है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में 60 से 70 लाख रुपए में कोर्स पूरा होता है. वहीं रूस में इससे कम लागत में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी हो जाती है. वहां पर यह कोर्स 6 साल का होता है, जिसमें एक साल की अनिवार्य इंटर्नशिप भी शामिल है. रिपोर्ट्स के अनुसार रूस में 15 से 30 लाख रुपए में एमबीबीएस पूरा होता है, जिसमें हॉस्टल फीस भी शामिल हैं.

अंबानी का करोड़पति कुत्ता Happy घूमता है 3 करोड़ की कार में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

इन दिनों सोशल मीडिया पर हर जगह अनंत-राधिका की शादी का वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं, अंबानी परिवार के ये शादी हर किसी को याद रहने वाली है, उन्होंने शादी में खूब पैसा खर्च किया है, इसके अलावा इस शादी बड़े-बड़े लोग शामिल हुए. शादी के अंदरूनी वीडियो ऑनलाइन लोगों का दिल जीत रहे हैं, एक वीडियो में दूल्हे के प्यारे दोस्त 'हैप्पी' को दिखाया गया है जो खुद एक महंगी कार के मालिक है.

सोशल मीडिया पर आए दिन कुछ न कुछ वायरल होता रहता है. ऐसे में कभी- कभी कोई वीडियो या फोटो ऐसी वायरल हो जाती है जिससे हर कोई हैरान हो जाता है. ऐसी ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है जिसमें अंबानी परिवार का कुत्ता 'हैप्पी' शादी में 3 करोड़ की कार में घूम रहा है.वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि अनंत-राधिका की शादी में हैप्पी अपनी 3 करोड़ की कार में बैठकर घूम रहा है. वो इस बेहद महंगी कार का मालिक है. जिसको सोशल मीडिया पर देखकर लोग हैरान हो रहे हैं.

सजी-धजी कार : अनंत अंबानी और उनके परिवार को बेहद सजी-धजी रोल्स रॉयस और S680 मेबैक का इस्तेमाल करते देखा गया. हालांकि, क्या आप जानते हैं कि अंबानी परिवार के सिर्फ़ लोगों के पास ही खास कारें नहीं हैं ? यहां तक कि उनका पालतू गोल्डन रिट्रीवर 'हैप्पी' भी मर्सिडीज-बेंज G400d लग्जरी SUV का इस्तेमाल करता है. हाल ही में सोशल मीडिया पर G400d SUV की तस्वीरें सामने आई थीं. इन तस्वीरों को Automobilia Ardent India ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया था. अंबानी परिवार अपने सुरक्षा काफिले में कई G63 AMG SUV का इस्तेमाल करता है. परिवार के पास G63 AMG भी है. हालांकि, G400d इन सबसे अलग है. ये एक डीजल SUV है और ये लॉट में फिट नहीं बैठती.

पॉलीटेक्निक के 212 अभ्यर्थियों को सीएम धामी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जुलाई : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों से चयनित 212 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों के अंतिम वर्ष के इन छात्र-छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी मिली है। इस वर्ष अभी तक राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों से 65 प्रतिशत युवाओं को रोजगार मिल चुका है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियुक्ति पत्र सभी युवाओं के सपनों की पहली सीढ़ी है। यह परिश्रम और लगन से किए कार्य का सम्मान भी है। हर छात्र पूर्ण मनोयोग निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि युवाओं को हर क्षेत्र में रोजगार के उचित अवसर मिलें। राज्य के अंदर निजी क्षेत्र भी रोजगार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गैर सरकारी औद्योगिक इकाइयों का विकास हमारी आर्थिक विकास का प्रमुख स्तंभ है। देवभूमि उत्तराखंड में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, राज्य सरकार इन प्रतिभाओं को राज्य में सही दिशा और उचित अवसर देने का कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना, विकसित भारत और विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षो में टेक्नोलॉजी, रोजगार , कौशल विकास के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। देश के अंदर हर क्षेत्र में नौजवानों को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता दी गई है। स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं से देश में नई औद्योगिक क्रांति की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों हेतु राज्य में ऑनलाइन ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेंटर का निर्माण किया गया है।जिसके माध्यम से छात्रों को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होने छात्रों से कहा कि आपके द्वारा किए गए कार्य एवं अनुभव ही आपकी पूंजी के रूप में हमेशा आपके पास रहेगा। राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोज़गार से जोड़ना है। बीते 3 सालों में राज्य सरकार ने सरकारी विभागों में 15000 से भी ज्यादा युवाओं को नियुक्तियां दी है। राज्य में भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण रूप से पारदर्शी बनाया गया है। परीक्षा से लेकर नियुक्तियां तक तय समय के अंदर हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में आई पारदर्शिता से युवाओं का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। यह पारदर्शिता युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान लोगों/ युवाओं ने नकल विरोधी कानून लागू करने हेतु विशेष रूप से सरकार का आभार व्यक्त किया जा रहा है। यह पारदर्शिता तभी संभव है जब सरकार की नीति और नीयत दोनों साफ हो। राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के लिए निरन्तरता से काम कर रही है। समेकित विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में उत्तराखंड प्रथम स्थान पर आया है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि राज्य में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता परक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। युवाओं को सीधे रोजगार मिले इसके लिए औद्योगिक संस्थानों की आवश्यकता के हिसाब से नये कोर्स चलाये जा रहे हैं। बच्चों को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य के पॉलिटेक्निक कॉलेज में फाइनल वर्ष के 3500 बच्चों में से 2303 बच्चों को रोजगार से जोड़ दिया गया है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ा गया है। युवाओं को अन्य देशों में भी रोजगार के अवसर मिले इसके लिए सरकार ने राज्य के पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में जर्मन और फ्रेंच भाषा पढ़ाने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि क्वालिटी एजुकेशन के लिए हर कॉलेज में अध्यापकों की नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि केवल सर्विस प्राप्त करना उद्देश्य नहीं होना चाहिए, निजी सेक्टर में अपने समर्पण, ज्ञान, कार्यशैली के माध्यम सफलता को प्राप्त करना है। जिस भी क्षेत्र में जाएं, उस क्षेत्र में हमेशा सर्वश्रेष्ठ कार्य कर निरन्तर सफलता के मार्ग पर आगे बढ़े। युवाओं को राज्य और समाज के बेहतर भविष्य के लिए सोचना चाहिए।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र अंथवाल, अपर सचिव तकनीकी शिक्षा स्वाति भदौरिया, निदेशक तकनीकी शिक्षा आरपी गुप्ता, विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

देहरादून : आपके प्लॉट में पानी भरा है तो तुरंत करवाएं खाली, देना न पड़ सकता है जुर्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 18 जुलाई : नगर निगम अब ऐसे खाली प्लॉट के मालिकों पर भारी जुर्माना लगाने की तैयारी में है जहाँ पर पानी रुका हुआ है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खाली स्थानों पर पानी रुका हुआ है जो डेंगू मछर के लार्वा पनपने के लिए मददगार साबित हो रहा है।

शहर के कई हिस्सों में खाली प्लॉट डेंगू के लिए खतरा बन रहे हैं। बारिश का पानी इन प्लॉट्स में जमा हो जाता है, जिससे डेंगू मच्छर का लार्वा पनपता है। नगर निगम इन प्लॉट्स के मालिकों पर बड़ा जुर्माना लगाने की योजना बना रहा है, लेकिन इन मालिकों का पता लगाना निगम के लिए मुश्किल हो सकता है। डेंगू को रोकने के लिए नगर निगम जलजमाव वाले स्थानों पर लार्वा नाशक का छिड़काव कर रहा है, लेकिन घरों, दुकानों और खाली प्लॉट्स में जमा पानी में पनप रहे लार्वा को नष्ट करना निगम के लिए चुनौतीपूर्ण हो रहा है।

नगर निगम शहर के खाली प्लॉट्स में डेंगू मच्छर के लार्वा की जांच कर रहा है। दून के अलग-अलग वार्डों में 2,500 से ज्यादा प्लॉट्स में पानी जमा है, जिनमें कई जगहों पर डेंगू मच्छर का लार्वा पाया गया है। निगम इन पर कार्रवाई कर रहा है, लेकिन कई प्लॉट्स के मालिकों का पता नहीं चल पा रहा है।

डेंगू का लार्वा सबसे ज्यादा धर्मपुर, अजबपुर कलां, कारगी, मोथरोवाला, देहराखास, विद्या विहार, बंजारावाला, मेहूवाला, बड़ोवाला, माजरा, सहस्रधारा रोड, मोहब्बेवाला, हरिद्वार बाईपास और चंद्रबनी जैसे क्षेत्रों में मिल रहा है। इन जगहों पर प्लॉट्स की संख्या भी ज्यादा है। मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. अविनाश खन्ना ने बताया कि अगर लार्वा पाया जाता है तो प्लॉट मालिक को 20 हजार रुपये तक का जुर्माना किया जा सकता है।